PART - I

Paper Code

P-3

303197

3

Q. No.	Total Marks	Obtained Marks
Unit-I-A	10	7.25
Unit-I-B	25	4.5
Unit-I-C	40	19.5
Unit-II-A	10	8
Unit-II-B	25	16
Unit-II-C	30	17
Unit-III-A-A	10	3.5
Unit-III-A-B	10	1
Unit-III-B-A	10	4.5
Unit-III-B-B	10	3.5
Unit-III-C-A	10	4.25
Unit-III-C-B	10	4.5
Total Obt. Marks in Figures	200	93.5
Total Obt. Marks in Words		Ninety Three+ ½

DATE PLEAS
परीक्षार्थी कृप
Answer Scri
en even in the
ords, number
examination c
for which the
कहीं पर भी पह
(XYZ, ABC अ
अंक, आदि भी न
ी जाकर भविष्य

NT INSTRU
Answer Bookl
को प्रश्नोत्तर पुस्ति
n or not printed
ilator and chan

या अमुद्रित है या
र्थी का होगा।
ly on Cover Sh
deduct 5 marks

कवर पृष्ठ पर स
आयोग द्वारा प्राप
, in which some
Cover Sheet is n
पय सूचनाएँ पूर्वमु
से क्षतिग्रस्त नहीं
erent units and p

जित है। प्रत्येक

e either of prin
treated as stan
द्रण या तथ्यात्मक

glish, not in bot
indi or English
क में दीजिये, दोन
अलग से हिंदी
rs only in the p
e the border lin
किसी भी प्रश्न का उत्तर प्रश्नोत्तर पुस्तिका में निर्धारित स्थान पर ही लिखें। बॉर्डर लाइन से
बाहर लिखे गये उत्तर को जाँचा नहीं जायेगा।
swers beyond the prescribed limit of words, failing this, marks may be deducted.
अधिक नहीं लिखना चाहिए, इसका उल्लंघन करने पर अंक काटे जा सकते हैं।
stion out of many and the candidate attempts more than one question then only

ा विकल्प दिया गया है और परीक्षार्थी द्वारा एक से अधिक प्रश्न हल किये जाते हैं तो ऐसी

प्रश्नोत्तर पुस्तिका को किसी प्रकार की क्षति पहुँचाई जाती है अथवा उस पर किसी प्रकार
रा उसकी संपूर्ण परीक्षा निरस्त की जा सकेगी और उसके लिए अभ्यर्थी उत्तरदायी होगा।

andidate or any attempt is made to damage the answer script or any marking as
n shall be cancelled by the Commission, for which candidate will be liable.

Do
Nu
any
act
the
प्रश्
लि
अन
मा
जा

(A)

(B)

(C)

(D)

(E)

(F)

(G

(H

(I)

(J)

वि
अ
का
Sp
If
ide

CANDIDATE PLEASE READ CAREFULLY
परीक्षार्थी कृपया ध्यान से पढ़ें

Do not write any mark of identity inside the Answer Script (including Paper for rough work) i.e. Name, Address, Roll Number, Mobile Number etc. Not to be written even in the letter writing (XYZ, ABC etc. may be written) Name of God, any religious sign, any irrelevant sentence, words, number other than the answer of question must not be written. Such act will be treated as unfair means and entire examination of the Candidate shall be cancelled and he may be debarred by the RPSC from all the future examinations, for which the candidate will be liable.

प्रश्नोत्तर पुस्तिका (रफ कार्य के पृष्ठ सहित) के अंदर कहीं पर भी पहचान चिह्न यथा अपना नाम, पता, रोल नंबर, मोबाइल नंबर इत्यादि नहीं लिखें। यहां तक कि पत्रादि लेखन में भी नहीं लिखें (XYZ, ABC अ ब स आदि लिखा जा सकता है)। कोई धार्मिक चिह्न, देवताओं के नाम, अनर्गल बातें, प्रश्नोत्तर से असंबंधित वाक्य, शब्द एवं अंक, आदि भी न लिखें। ऐसा करने पर आयोग द्वारा इसे अनुचित साधन अपनाने का कृत्य माना जायेगा तथा अभ्यर्थी की संपूर्ण परीक्षा निरस्त की जाकर भविष्य में आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं से विवर्जित करने की कार्यवाही की जा सकेगी और उसके लिए अभ्यर्थी उत्तरदायी होगा।

IMPORTANT INSTRUCTIONS (महत्वपूर्ण निर्देश)

(A) It should be ensured that the Question-Answer Booklet is provided in a sealed envelope to the candidate.
अभ्यर्थी यह सुनिश्चित कर लें कि अभ्यर्थी को प्रश्नोत्तर पुस्तिका सीलबंद लिफाफे में प्रदान की गई है।

(B) If the Question-Answer Booklet is torn or not printed properly or some pages are missing (Please count the number of pages) then bring it to notice of Invigilator and change the Question-Answer booklet, otherwise the candidate will be liable for that.
यदि प्रश्नोत्तर पुस्तिका कहीं से कटी–फटी या अमुद्रित है या पृष्ठ कम हैं (कृपया पृष्ठ गिन लें) तो अभिजागर के ध्यान में ला दें तथा उसे बदलवा लें, अन्यथा उसका दायित्व अभ्यर्थी का होगा।

(C) Please fill up all desired details properly on Cover Sheet of Question-Answer Booklet with **Blue Ball Point Pen** before answering.. The Commission may also deduct 5 marks from the marks obtained if Roll Number is not filled correctly on the Cover Sheet.
प्रश्नोत्तर पुस्तिका में प्रश्न हल करने से पूर्व कवर पृष्ठ पर सभी वांछित विवरण **नीले बॉल प्वाइंट पेन** से सावधानीपूर्वक भरें। कवर पृष्ठ पर रोल नम्बर का त्रुटिपूर्ण अंकन करने पर आयोग द्वारा प्राप्तांकों में से 5 अंक काटे भी जा सकते हैं।

(D) This Cover Sheet consists of two parts, in which some information is pre-printed, remaining details have to be filled by the candidate. Please ensure that this Cover Sheet is not torn or damaged.
कवर पृष्ठ दो भागों में बंटा है, जिसमें कतिपय सूचनाएँ पूर्वमुद्रित हैं, शेष की पूर्ति अभ्यर्थी को करनी है। ध्यान रखें कि कवर पृष्ठ कहीं से कटे–फटे नहीं अथवा किसी भी प्रकार से क्षतिग्रस्त नहीं हो।

(E) The question paper is divided into different units and parts. The number of questions to be attempted and their marks are indicated in each unit and parts.
प्रश्न–पत्र विभिन्न यूनिट एवं भागों में विभाजित है। प्रत्येक यूनिट एवं भाग में हल किये जाने वाले प्रश्नों की संख्या और उनके अंक उस यूनिट एवं भाग में अंकित किये गए हैं।

(F) If there is any sort of ambiguity/mistake either of printing or factual nature then out of Hindi and English version of the question, the **English version will be treated as standard.**
यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो, तो प्रश्न के हिन्दी या अंग्रेजी रूपान्तरों में से **अंग्रेजी रूपान्तर मान्य होगा।**

(G) Attempt answers either in **Hindi or English,** not in both. For Language Papers, answer in concerned language and script, unless directed otherwise to write in Hindi or English specifically.
उत्तर **अंग्रेजी या हिन्दी** भाषा में से किसी एक में दीजिये, दोनों में नहीं। भाषा विषयक प्रश्नों के उत्तर उनकी संबद्ध भाषा व लिपि में ही दिए जाएँ, जब तक कि प्रश्न विशेष के लिए अलग से हिंदी या अंग्रेजी में उत्तर देने के लिए न लिखा गया हो।

(H) Candidates are directed to write answers only in the prescribed space of booklet. They should not write answer out side the border line. Answer written out side the border line will not be checked.
अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि किसी भी प्रश्न का उत्तर प्रश्नोत्तर पुस्तिका में निर्धारित स्थान पर ही लिखें। बॉर्डर लाईन से बाहर प्रत्युत्तर नहीं लिखें। बॉर्डर लाईन के बाहर लिखे गये उत्तर को जाँचा नहीं जायेगा।

(I) The candidates should not write the answers beyond the prescribed limit of words, failing this, marks may be deducted.
अभ्यर्थियों को उत्तर निर्धारित शब्द सीमा से अधिक नहीं लिखना चाहिए, इसका उल्लंघन करने पर अंक काटे जा सकते हैं।

(J) If there is a choice to attempt one question out of many and the candidate attempts more than one question then only first answer will be assessed.
यदि कई प्रश्नों में से कोई एक हल करने का विकल्प दिया गया है और परीक्षार्थी द्वारा एक से अधिक प्रश्न हल किये जाते हैं तो ऐसी स्थिति में प्रथम उत्तर ही जांचा जायेगा।

विशेष नोटः
अभ्यर्थी द्वारा यदि कोई गलत सूचना दी जाती है या प्रश्नोत्तर पुस्तिका को किसी प्रकार की क्षति पहुँचाई जाती है अथवा उस पर किसी प्रकार का पहचान चिह्न अंकित किया जाता है, तो आयोग द्वारा उसकी संपूर्ण परीक्षा निरस्त की जा सकेगी और उसके लिए अभ्यर्थी उत्तरदायी होगा।

Special Note:
If there is any wrong information filled by the candidate or any attempt is made to damage the answer script or any marking as identification is done, then his entire examination shall be cancelled by the Commission, for which candidate will be liable.

SPACE FOR ROUGH WORK

PAPER – III
GENERAL STUDIES & GENERAL KNOWLEDGE

(Total 200 Marks)
(Total 48 Questions)

Unit – I (75 Marks)
(यूनिट – I) (75 अंक)

Part – A **Marks : 10**
भाग – अ अंक : 10

Note: Attempt **all** questions. Answer the following questions in **15** words each. Each question carries **2** marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर **15 - 15** शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के **2** अंक निर्धारित हैं।

1. Explain 'Fraternity' as mentioned in the Preamble of the Constitution of India.
भारत के संविधान की उद्देशिका में उल्लिखित 'बंधुता' को स्पष्ट कीजिए।

• सभी की समानता तथा सामाजिक समरसता बनाए रखने को प्रेरित करता है।
• व्यक्ति की गरिमा तथा राष्ट्र की एकता अखंडता को सुनिश्चित करने वाली बंधुता को बढ़ाने का प्रावधान है।

1.75(One¾)
(Q.Unit-I-A-1)

2. What is the role of Election Commission in Article 103 of the Constitution of India?
भारत के संविधान के अनुच्छेद 103 में निर्वाचन आयोग की भूमिका क्या है?

• संसद के निर्वाचित सदस्य की अयोग्यता पर राष्ट्रपति को हटाने की सलाह देने का प्रावधान है।
• निर्वाचन आयोग की सलाहकारी भूमिका तथा राष्ट्रपति पर बाध्यकारी है।

2(Two)
(Q.Unit-I-A-2)

3. What are the key points of 'Abraham Accords'?
'अब्राहम समझौते' के मुख्य बिन्दु क्या हैं?

इजरायल तथा संयुक्त अरब अमीरात एवं बहरीन के मध्य ~~सामाजिक~~ राजनयिक संबंध, राजदूतों की नियुक्ति मैत्री तथा सहयोग।

0.5(Zero½)
(Q.Unit-I-A-3)

4. What is 'THAAD'?
'थाड' क्या है?

- अमेरिकी - एंटी मिसाइल प्रणाली है।
- जापान तथा दक्षिण कोरिया में स्थापित

THAAD. Terminal High Altitude Air Defence

1.5(One½)
(Q.Unit-I-A-4)

5. Write four major issues discussed in G-20 Rome Summit 2021.
G-20 रोम शिखर सम्मेलन 2021 के चार प्रमुख मुद्दे लिखिए।

- जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करना
- ग्लोबल मिनिमम टैक्स (15%) पर सहमति
- विकासशील व अल्प विकसित देशों को वित्तीय मदद
- कोविड-19 हेतु टीकों की उपलब्धता बढ़ाना।

आगामी महामारियों हेतु बेहतर संयुक्त रणनीति बनाना।

1.5(One½)
(Q.Unit-I-A-5)

Part – B
भाग – ब

Marks : 25
अंक : 25

Note: Attempt **all** questions. Answer the following questions in **50** words each. Each question carries **5** marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर **50 - 50** शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के **5** अंक निर्धारित हैं।

6. "The first cabinet of Independent Indian was not of political character but of national character." Support or oppose the statement with facts only.
"आज़ाद हिंदुस्तान का पहला मंत्रिमंडल राजनीतिक चरित्र का नहीं बल्कि राष्ट्रीय चरित्र का था।" केवल तथ्यों के साथ कथन का समर्थन या विरोध कीजिए।

आज़ाद भारत का प्रथम मंत्रिमण्डल अधिकतर स्वतंत्रता सेनानी तथा संविधान निर्माता। यथा - जवाहरलाल नेहरू (PM), मौलाना अबुल कलाम (शिक्षा मंत्री), सरोजिनी नायडू, अमृत कौर, सरदार पटेल (गृह मंत्री) डॉ भीमराव अंबेडकर (कानून मंत्री) सम्मिलित थे। इन सबने अनेक आन्दोलनों तथा सामाजिक राजनीतिक संगठनों के माध्यम से भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति में प्रत्यक्ष योगदान दिया था, अतः यह कथन उचित है कि - आज़ाद भारत का प्रथम मंत्रिमंडल राजनीतिक चरित्र का नहीं बल्कि राष्ट्रीय चरित्र का था।

1.5(One½)
(Q.Unit-I-B-6)

7. Chief Justice Ramana said that the tendency to brand judicial review as judicial overreach is not correct. What does he mean?
मुख्य न्यायमूर्ति रामन्ना ने कहा है कि न्यायिक समीक्षा को न्यायिक अतिरेक के रूप में प्रदर्शित करने की प्रवृत्ति ठीक नहीं है। उनके इस कथन का क्या अर्थ है?

न्यायिक समीक्षा के तहत विधायिका तथा कार्यपालिका के असंवैधानिक आदेशों को रोकना न्यायपालिका का कार्य है। किंतु इसके सहारे न्यायिक अतिरेक के रूप

इसमें कानून निर्माण करना तथा कार्यपालिका का
विधायिका निर्देशित करना सम्मिलित नहीं।
eg. शराब की दुकानें हाइवे से 500 मीटर दूर होंगी, दीपावली
पर पटाखे बैन करना, सरकार को प्रदूषण नियंत्रण
की समय सीमा निर्धारित करना (दिल्ली) ऐसे मामलों
न्यायालयों की शक्ति प्रक्रियात्मक व्यापक करना। आवश्यक

0.5(Zero½)
(Q.Unit-I-B-7)

8. Explain the constitutional provision to remove the President of India from his office.
भारत के राष्ट्रपति को पद से हटाने के सांविधानिक प्रावधान को स्पष्ट करें।

अनुच्छेद-61 में संविधान के अतिक्रमण के आधार
पर राष्ट्रपति को पद से हटाया जा सकता है।
किन्तु इस पद को परिभाषित नहीं किया गया है
कि संविधान का अतिक्रमण कब माना जायेगा।
संसद के किसी भी सदन में 1/4 सदस्यों के
समर्थन से प्रस्ताव लाया जाता है।
इस पद स्पष्ट कर संविधान संशोधन के
माध्यम से पुनः जोड़ने की आवश्यकता है।

1(One)
(Q.Unit-I-B-8)

0.5(Zero½)
(Q.Unit-I-B-8)

9. Explain the concept of 'one sun, one world, one grid'.
'एक सूर्य, एक विश्व, एक ग्रिड' की अवधारणा को स्पष्ट करें।

अमेरिका तथा अंतर्राष्ट्रीय सोलर गठबंधन की भारत इके (?) के
इमार्ई (?)

मध्य COP-26 के दौरान किया गया समझौता है, इसके तहत ग्रीन ग्रिड इनिशिएटिव तथा सौर ऊर्जा को प्रोत्साहन किया जाएगा।
जलवायु परिवर्तन को कम करने में सहायक, गरीब देशों को सौर तकनीकी का हस्तांतरण किया जाएगा।

0.5(Zero½)
(Q.Unit-I-B-9)

10. Describe the main features of First Assembly Election in Rajasthan, after independence.
स्वतंत्रता पश्चात्, राजस्थान में प्रथम विधानसभा चुनाव की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

प्रथम विधानसभा के दौरान आंतरिक मतभेदों के चलते चार मुख्यमंत्री (जयनारायण व्यास, टीकाराम, हीरालाल शास्त्री, सुखाड़िया) बने।
प्रमुख बड़े नेता प्रथम चुनाव हार गए तथा व्यास के चुनाव हारने पर टीकाराम पालीवाल को मुख्यमंत्री बनाया गया, इसके पश्चात उपचुनाव में जयनारायण व्यास के जीतने पर टीकाराम को व्यास मंत्रिमंडल में उपमुख्यमंत्री बनाया गया।
मोहनलाल सुखाड़िया के बाद 17 वर्ष तक राजनीतिक स्थिरता बनी

0.5(Zero½)
(Q.Unit-I-B-10)

Part – C
भाग – स

Marks : 40
अंक : 40

Note: Attempt **all** questions. Answer the following questions in **100** words each. Each question carries **10** marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर **100 - 100** शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के **10** अंक निर्धारित हैं।

11. Describe the features and evolution of Judicial Review in India.
भारत में न्यायिक-पुनर्विलोकन की विशेषताओं एवं उद्‌विकास का वर्णन कीजिए।

न्यायिक पुनर्विलोकन का उद्‌विकास :- विधायिका तथा कार्यपालिका द्वारा बनाए गए कानूनों तथा आदेशों की संविधान तथा मूल अधिकार के परिप्रेक्ष्य में औचित्य को साबित करना, न्यायपालिका द्वारा न्यायिक पुनर्विलोकन कहलाता है।

शंकरीप्रसाद बनाम भारत संघ वाद तथा सज्जन सिंह बनाम राजस्थान राज्य वाद (1965) में उच्चतम न्यायालय ने इस बात पर सहमति दी की राज्य संविधान संशोधन (368) के माध्यम से मूल अधिकारों में परिवर्तन कर सकता है, जो अनुच्छेद - 13(2) के अनुसार विधि का उल्लंघन नहीं होगा। किन्तु, गोलकनाथ वाद (1967) में अपने पूर्व फैसले को पलट दिया, तथा केन्द्र सरकार ने 24वाँ संविधान संशोधन कर 13(4) तथा 368(1) अनुच्छेद जोड़े और अपना अधिकार बरकरार रखा।

केशवानन्द भारती वाद (1973) में सुप्रीम कोर्ट ने 24वाँ तथा 25वाँ संविधान संशोधन (का प्रथम भाग) को स्वीकार किया साथ ही किसी परिवर्तन से संविधान के मूल ढाँचे को परिवर्तित नहीं किया जाएगा की बाध्यता लगाई। 39वें संविधान संशोधन से लोकसभा अध्यक्ष के निर्वाचन को

0.5(Zero½) (Q.Unit-I-C-11)
0.5(Zero½) (Q.Unit-I-C-11)
0.5(Zero½) (Q.Unit-I-C-11)
1.5(One½) (Q.Unit-I-C-11)

न्यायालय के हस्तक्षेप से सुरक्षा दी गई, किंतु उच्चतम न्यायालय ने इसे मूल ढाँचे में शामिल कर खारिज कर दिया - ये वामनराव केस -1981 में दिए फैसले से किया गया। विशेषताएँ :- ऐसा कोई भी विधापन जो मूल अधिकारों के असंगत हो, न्यायालय की शक्ति कम करता हो तथा मूल ढाँचे को हानि पहुँचाने का प्रावधान युक्त हो तो भारतीय उच्चतम न्यायालय तथा उच्च न्यायालय ऐसे विधान को अहृत तथा शून्य घोषित कर सकते हैं।

12. Differentiate the working of Planning Commission and Niti Aayog and its impact on Indian Federalism.

योजना आयोग और नीति आयोग की कार्यप्रणाली में अंतर तथा भारतीय संघवाद पर उसके प्रभाव का वर्णन करें।

योजना आयोग	नीति आयोग
① यह टॉप टू बॉटम अवधारणा पर कार्य करता था।	① इसमें बॉटम टू टॉप अवधारणा पर कार्य किया जाता है।
② पंचवर्षीय योजना बनाई जाती थीं	② इसमें तीन वर्षीय एक्शन, 7 वर्षीय स्ट्रेटेजिक तथा 15 वर्षीय विजन प्लान की अवधारणा
③ वित्त मंत्रालय के अनेक कार्यों तथा वित्त आवंटन में हस्तक्षेप था	③ नीति आयोग सलाहकारी निकाय है
④ आरंभ में वृहद उद्योगों तथा शहरीकरण पर जोर था	④ गाँव के विकास पर केन्द्रित तथा वंचितों का उत्थान - आकांक्षी जिला कार्यक्रम
⑤ राज्यों के सहयोग का अभाव	⑤ शासी परिषद में राज्यों को प्रतिनिधित्व
⑥ योजनाओं में एकरूपता थी	⑥ क्षेत्र आधारित विकास की अवधारणा
⑦ योजनागत व गैर योजनागत व्यय का प्रावधान	⑦ ये प्रावधान समाप्त कर दिया गया
⑧ 1952 में में प्रारम्भ किया।	⑧ 1 जनवरी 2015 से प्रारम्भ

1(One)
(Q.Unit-I-C-11)

2(Two)
(Q.Unit-I-C-12)

भारतीय संघवाद पर प्रभाव:-

योजना आयोग के समय सभी आदेश तथा योजना में एकरूपता थी तथा राज्यों के मत का महत्व नहीं था, नीति आयोग में सहकारी संघवाद - राज्यों का सहयोग तथा प्रतिस्पर्धी संघवाद - विकास में प्रतिस्पर्धा पर फोकस किया गया है। आकांक्षी जिला कार्यक्रम, राज्य कृषि प्रदर्शन सूचकांक, सतत विकास सूचकांक, जल उपलब्धता रिपोर्ट, अटल मिशन फॉर इनोवेशन जैसे नवाचारों से नीति आयोग ने संघवाद को मजबूत करने का काम किया है।

1(One)
(Q.Unit-I-C-12)

13. Discuss the strategic role played by 'Quad' in the Indo-Pacific Region.
हिंद–प्रशांत क्षेत्र में 'क्वाड' की रणनीतिक भूमिका का विवेचन कीजिए।

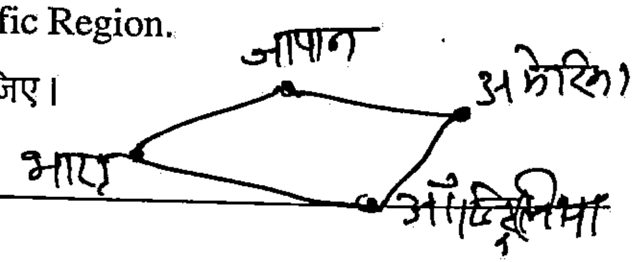

अमेरिका - जापान - ऑस्ट्रेलिया - भारत
इन चार देशों का अनौपचारिक समूह है - क्वाड।

उद्देश्य:- हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में मुक्त नौपरिवहन, अंतरराष्ट्रीय नियम आधारित व्यवस्था, मुक्त आकाश की नीति को लागू करना। (चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करना)

रणनीतिक भूमिका:- चीन द्वारा बीआरआई (BRI), मोतियों की माला नीति, चेक बुक डिप्लोमेसी के माध्यम से अपना प्रभुत्व बढ़ाने तथा अंतरराष्ट्रीय नियमों को धता बताते हुए - साउथ चाइना सी में पारसेल, स्प्रेटली, स्कारबोरो द्वीपों

0.5(Zero½)
(Q.Unit-I-C-13)

1.5(One½)
(Q.Unit-I-C-13)

1(One)
(Q.Unit-I-C-13)

0.5(Zero½)
(Q.Unit-I-C-13)

पर कब्जा करना, पाकिस्तान तथा म्यांमार में सैन्य तख्तों को सपोर्ट, तालिबान को अनुकूल व्यवहार का वादा जैसी घटनाओं के परिप्रेक्ष्य में क्वाड की भूमिका अति महत्वपूर्ण हो गई है।

2020 से मालाबार युद्धाभ्यास में ऑस्ट्रेलिया को शामिल करना, क्वाड + की अवधारणा में - न्यूजीलैंड - इंडोनेशिया, वियतनाम को जोड़ने की चर्चा तथा वैश्विक नौ परिवहन के प्रमुख मार्गों सबके लिए मुक्त आवाजाही बनाए रखने, दक्षिण-पूर्वी एशिया के देशों के हितों का संरक्षण करने में क्वाड की भूमिका अति महत्वपूर्ण हो चुकी है। साथ ही भारत के प्रोजेक्ट कॉटन, म्यांमार-थाईलैंड-इंडिया हाइवे (IMT) कलादान मल्टी मॉडल प्रोजेक्ट, भारत की डबल फिशहुक नीति, सागर पहल, भारत-जापान-अफ्रीकन कॉरिडोर प्रोजेक्ट, भारत की एक्ट ईस्ट नीति को प्रभावी रूप से क्रियान्वयन में क्वाड का सकारात्मक सहयोग मिलेगा।

1(One) (Q.Unit-I-C-13)
1(One) (Q.Unit-I-C-13)
1(One) (Q.Unit-I-C-13)
0.5(Zero½) (Q.Unit-I-C-13)

14. Give suggestions for effective working of Gram Sabha in Rajasthan.
राजस्थान में ग्राम सभा की प्रभावी कार्यप्रणाली के लिए सुझाव दीजिए।

73वाँ संविधान संशोधन अधिनियम-1993 द्वारा पंचायतीराज हेतु संवैधानिक प्रावधान किए, जिसमें अनुच्छेद-243-(A) में में - "ग्राम पंचायत के पंजीकृत मतदाताओं से मिलकर ग्राम सभा निर्मित होगी।" इस संशोधन से ग्राम पंचायतों को 29 विषय दिए गए तथा गाँव के विकास की योजना निर्माण में ग्राम सभा की महत्वपूर्ण भूमिका निर्धारित की गई।

कमियाँ:- "भारत में लोकतंत्र सैद्धांतिक है, व्यावहारिक नहीं।" - IInd ARC
इस कथन के अनुसार ही आज तक अधिकार ग्राम वासियों को

2(Two) (Q.Unit-I-C-14)

वास्तविकता में ग्राम सभा तथा उसके कार्यों एवं महत्व की जानकारी तक नहीं है। ग्राम सभा को पूरे अधिकार नहीं सौंपे गए हैं। सरपंच तथा प्रशासनिक अधिकारियों की साँठ-गाँठ होना।
सरपंच पति की अवधारणा, 3F (फण्ड-फंक्शन-फंक्शनरी) की कमी
(सुझाव) → ① विकेन्द्रीकृत लोकतंत्र के प्रमुख साधन को गाँव वासियों तक सरल शब्दों में पहुँचाया जाए। ② ग्राम सभा की बैठक नियत समय पर विधि-विधान से हो ③ 3F की कमी को दूर किया जाए
④ ग्राम सभा द्वारा पारित विकास योजनाओं को समय पर पूरा करवाना का जिम्मा, संबंधित अधिकारियों की उत्तरदायीय जवाबदेह बना ⑤ महिला सशक्तीकरण को वास्तविकता में लाना, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को प्रशिक्षित करना। ⑥ चार बैठकें - 15 अगस्त, 26 जनवरी 1 मई, 14 नवम्बर करवाना
इन सब कदमों से ग्राम सभा को राजस्थान में ग्राम प्रशासन की सशक्त इकाई बनाया जा सकेगा।

3.5(Three½)
(Q.Unit-I-C-14)

Unit – II
(यूनिट – II)

(65 Marks)
(65 अंक)

Part – A
भाग – अ

Marks : 10
अंक : 10

Note: Attempt **all** questions. Answer the following questions in **15** words each. Each question carries **2** marks.
नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 15 - 15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं।

1. What is the difference between Unity of Command and Unity of Direction?
आदेश की एकता एवं निर्देश की एकता में क्या अंतर है?

① आदेश की एकता में एक अधिकारी एक ~~कार्मिक~~ के सिद्धांत को पालन किया जाता है, अर्थात आदेश एक अधिकारी से ही प्राप्त होंगे

इससे आदेश में एकरूपता तथा कार्मिकों में आदेश की स्पष्टता रहती है
(•) निर्देश की एकता में एक योजना से संबंधित समस्त निर्देश एक ही अधिकारी द्वारा दिए जाएंगे, इससे कार्यकुशलता तथा प्रभावशीलता में वृद्धि होती है।

2(Two)
(Q.Unit-II-A-1)

2. Explain managerial view about the nature of administration.
प्रशासन की प्रकृति के सम्बन्ध में प्रबंधकीय दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए।

लूथर गुलिक के पोस्डकॉर्ब दृष्टिकोण (प्रबंधकीय दृष्टिकोण के अन्तर्गत — प्रशासन का मुख्य कार्य उच्च स्तरीय दिशा-निर्देश देना तथा प्रबंधन के कार्यों को देखना, समन्वय करना एवं रिपोर्ट प्राप्त कर, बजट आवंटन करना है।

1(One)
(Q.Unit-II-A-2)

3. What is Vote on Account?
लेखानुदान क्या है?

बजट प्रस्ताव के बाद विनियोग विधेयक पारित होने में 2 माह का समय होता है, इस दौरान सरकार के खर्चों हेतु आवश्यक बजट का 1/6 उपलब्ध करना, लेखानुदान है।
• वर्तमान में बजट की तिथि - 1 फरवरी करने से इसकी आवश्यकता नहीं होती।

1.5(One½)
(Q.Unit-II-A-3)

4. Define Corporate Social Responsibility.
कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व को परिभाषित कीजिए।

कोई भी उपक्रम समाज तथा पर्यावरणीय संसाधनों का उपयोग कर लाभ कमाता है। अतः उस लाभ से पर्यावरणीय तथा

सामाजिक विकास के कार्यक्रमों को संपन्न करना उपक्रम की नैतिक तथा कंपनी अधिनियम - 2013 की धारा - 135 के तहत विधिक जिम्मेदारी है।

1.5(One½)
(Q.Unit-II-A-4)

5. What is Formal Delegation?
औपचारिक प्रत्यायोजन क्या है?

जब विधायिका किसी कानून या विधि का खाका तैयार कर तकनीकी बारीकी तथा विस्तृत प्रावधानों के निर्माण हेतु कार्यपालिका को औपचारिक रूप से सौंप देती है।
अथवा किसी उच्चस्थ अधिकारी द्वारा अधीनस्थ को लिखित अपने कुछ पदीय कर्तव्यों तथा शक्तियों का हस्तांतरण।
eg. जिला कलेक्टर द्वारा अतिरिक्त जिला कलेक्टर को

2(Two)
(Q.Unit-II-A-5)

Part – B
भाग – ब

Marks : 25
अंक : 25

Note: Attempt all questions. Answer the following questions in 50 words each. Each question carries 5 marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 50 - 50 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक निर्धारित हैं।

6. Mention various forms of judicial control over administration.
प्रशासन पर न्यायिक नियंत्रण के विभिन्न रूपों का उल्लेख कीजिए।

न्यायिक नियंत्रण के अवसर — • क्षेत्राधिकार से बाहर विधि
• तथ्यों की त्रुटि रहना • कानून की त्रुटि
• मूल अधिकारों की हानि • न्यायालय के क्षेत्र में दखल करता है।

① न्यायिक समीक्षा द्वारा विधि को अवैध ठहराना।
② न्यायिक सक्रियता द्वारा सकारात्मक हस्तक्षेप करना
③ अनुच्छेद-32 के तहत पाँच रिट - बंदी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, अधिकार पृच्छा, उत्प्रेषण, तथा प्रतिषेध लागू करके।
④ अनुच्छेद - 131 - 135 तक अपील तथा 143 के प्रयोग द्वारा।

2.5(Two½)
(Q.Unit-II-B-6)

7. Enlist major difference between conventional and development administration.
परम्परागत एवं विकास प्रशासन के मध्य प्रमुख अन्तर की परिगणना कीजिए।

परम्परागत प्रशासन	विकास प्रशासन
• पदसोपान पर आधारित	• पदसोपान को लचीला बनाना
• लोगों की सहभागिता कम	• लोककल्याण पर आधारित
• मूल्य विहीन, प्रासंगिकता नहीं।	• चार मुख्य तत्व - मूल्य, प्रासंगिकता अधिक
• सिद्धांतों पर जोर - आदेश की एकता	• क्रियान्वयन तथा लचीलापन आधारित
• लालफीताशाही, भाई-भतीजावाद	• योग्यता आधारित, कुशलता को बढ़ावा
• अपारदर्शी, टॉप टू बॉटम	• पारदर्शिता, जवाबदेही तथा बॉटम टू टॉप अवधारणा

2.5(Two½)
(Q.Unit-II-B-7)

8. Differentiate between Secretariat and Directorate.
सचिवालय एवं निदेशालय में भेद कीजिए।

सचिवालय	निदेशालय
• नीतियों का निर्माण करना	• नीतियों को लागू करना।
• प्रमुख प्रधान - सचिव	• प्रमुख - निदेशक
• मंत्रिपरिषद के सीधे संपर्क में	• प्रत्यक्ष संपर्क नहीं

• सामान्यज्ञों की अधिकता	• विशेषज्ञों की अधिकता
• निर्देश देना तथा पर्यवेक्षण करना	• निर्देशों का पालन करना
• क्रियात्मक कार्यों में संलग्न	• क्रियात्मक कार्यों में संलग्न

3.5(Three½)
(Q.Unit-II-B-8)

9. Analyze the impact of lateral entry system in higher civil services.
उच्च लोक सेवाओं में पार्श्विक प्रवेश (लेटरल एण्ट्री) के प्रभाव का विश्लेषण कीजिए।

पार्श्विक प्रवेश से सकारात्मक रूप से - अनुभवी तथा विशेषज्ञ प्रशासकों की एन्ट्री, कार्य विशेष में दक्षता प्राप्त प्रशासक, विशेषज्ञों को महत्व मिलता है। नकारात्मक रूप से - भाई-भतीजावाद की संभावना, सामान्यज्ञ जैसे अनुभव का अभाव, जनता की मानसिकता तथा कार्यक्षेत्र में प्रत्यक्ष अनुभव का अभाव।
इन कमियों को बेहतर प्रशिक्षण तथा अनुभवी प्रशासकों के साथ नियुक्त कर दूर किया जाना चाहिए तथा सीमित संख्या में उच्च लोक सेवाओं में पार्श्विक प्रवेश होना चाहिए।

4(Four)
(Q.Unit-II-B-9)

10. Discuss the jurisdiction of Lokayukta in Rajasthan.
राजस्थान में लोकायुक्त के क्षेत्राधिकार की विवेचना कीजिए।

लोकायुक्त के क्षेत्राधिकार में - सभी मंत्री, केबिनेट मंत्री राज्य सेवा के कार्मिक, पंचायत समिति, जिला परिषद के अध्यक्ष व प्रधान तथा उपाध्यक्ष व उपप्रधान, नगरपालिका नगरपरिषद के चेयरमैन, सभापति तथा सहकारी समितियों के अध्यक्ष इत्यादि को शामिल किया गया है।

लोकायुक्त को प्रभावी कार्य करने की शक्ति तथा दण्ड जुर्माने की शक्ति देना स्वायत्ती, मुख्यमंत्री, विधायक, सरपंच को इसके क्षेत्राधिकार में लाना चाहिए।

3.5(Three½)
(Q.Unit-II-B-10)

Part – C **Marks : 30**

भाग – स **अंक : 30**

Note: Attempt **all** questions. Answer the following questions in **100** words each. Each question carries **10** marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर **100 - 100** शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के **10** अंक निर्धारित हैं।

11. Evaluate the salient features of the Rajasthan Right to Hearing Act, 2012.
राजस्थान सुनवाई का अधिकार अधिनियम, 2012 की प्रमुख विशेषताओं का मूल्यांकन कीजिए।

राजस्थान सुनवाई का अधिकार अधिनियम, 2012, अगस्त 2012 में लागू किया गया। इसकी प्रमुख विशेषताएँ :-

① निवास स्थान के नजदीक सुनवाई की सुविधा उपलब्ध करवाना

② लोक सुनवाई अधिकारी की नियुक्ति – ग्राम पंचायत में – पटवारी तथा ग्राम सेवक

③ सुनवाई केन्द्र, कियोस्क की स्थापना करना। सात दिन में सुनवाई का अधिकार

④ लोक सुनवाई अधिकारी सभी कार्य दिवसों में कार्यालय में मिलेंगे।

⑤ द्विस्तरीय अपील की व्यवस्था – प्रथम अपील – 21 दिन में, द्वितीय अपील – प्रथम अपील के निर्णय – (15 दिन में) के बाद – 21 दिन में।

⑥ द्वितीय अपील अधिकारी के पास सिविल कोर्ट की शक्तियाँ तथा 500/- से 5000/- ₹ तक जुर्माना लगाने का अधिकार।

⑦ सादे कागज पर प्रार्थना-पत्र मंजूर, निःशुल्क सुनवाई की व्यवस्था।

मूल्यांकन – सकारात्मक पक्ष :- राज्य की जनता को सरकार द्वारा प्रद

0.5(Zero½)
(Q.Unit-II-C-11)

1(One)
(Q.Unit-II-C-11)

0.5(Zero½)
(Q.Unit-II-C-11)

0.5(Zero½)
(Q.Unit-II-C-11)

1(One)
(Q.Unit-II-C-11)

0.5(Zero½)
(Q.Unit-II-C-11)

0.5(Zero½)
(Q.Unit-II-C-11)

सेवाएँ प्राप्त न होने पर, कार्मिकों की जबावदेही सुनिश्चित करता है।
सादे कागज पर निःशुल्क प्रार्थना पत्र स्वीकार्य, सुनवाई न होने पर अपील करने का प्रावधान, द्वितीय अपील अधिकारी के पास सिविल कोर्ट की शक्तियाँ होना, निवास स्थान के निकट सुनवाई।

नकारात्मक :- कार्मिक समय पर कार्यालय में नहीं मिलते, सुविधा केन्द्रों की स्थापना नहीं की गई है, विभागीय अधिकारियों द्वारा सुनवाई, दण्ड की राशि कम रखी गई है, जनता में जागरूकता का अभाव है तथा इस कानून का प्रभावी क्रियान्वयन, प्रचार-प्रसार नहीं किया गया।

आगे की राह में इस कानून को प्रभावी रूप से लागू करने की व्यवस्था, प्रचार-प्रसार हो तथा नवीनतम बजट-2022-23 की घोषणानुसार- लोक सेवा गारंटी एक्ट तथा सुनवाई का अधिकार अधिनियम को सम्मिलित कर हाइब्रिड एक्ट को जल्दी लाया जाए।

0.5(Zero½) (Q.Unit-II-C-11)

0.5(Zero½) (Q.Unit-II-C-11)

1(One) (Q.Unit-II-C-11)

12. "The aim of good governance and morality in civil services can be achieved through following the Gandhi's Seven Social Sins concept." Analyze.
"सुशासन तथा लोक सेवाओं में नैतिकता के लक्ष्य गाँधीजी द्वारा बतायी गयी सात सामाजिक बुराइयों की अवधारणा को जानकर प्राप्त किए जा सकते हैं।" विश्लेषण कीजिए।

सुशासन तथा लोक सेवाओं में नैतिकता के लक्ष्य हेतु गाँधीजी द्वारा बताई गई सात सामाजिक बुराईयों में-

① सिद्धांत विहीन राजनीति :- अर्थात् राजनीति में जन कल्याण के सिद्धांत निहित होने चाहिए, तभी कल्याण संभव

② सदाचार विहीन व्यापार :- राज्य द्वारा जो भी कार्य किया जाए वह सदाचार युक्त होना चाहिए तभी उस कार्य की प्रासंगिकता है, एवं लोक कल्याण में सहायक होगा।

③ मानवता विहीन विज्ञान :- गाँधी के अनुसार विज्ञान को अपनाते समय मानवता को ध्यान में रखा जाना जरूरी है, क्योंकि मनुष्य साध्य है, न कि साधन, तथा विज्ञान इसके हित में हो।

④ चरित्र विहीन शिक्षा : लोकसेवकों के प्रशिक्षण में इस बात पर जोर देने की आवश्यकता है ताकि, सच्चरित्र लोकसेवक तैयार हों।

⑤ त्याग विहीन पूजा : लोक सेवक को सामाजिक कार्यों को पूजा मानकर तथा अपना कर्तव्य मानकर पूरा करना चाहिए, जो त्याग पूर्ण हो।

⑥ अन्तरात्मा विहीन सुख : ऐसा सुख जो सभी को सुख देने से उत्पन्न होता है अर्थात् वंचित, पिछड़े वर्गों का कल्याण निहित।

⑦ श्रद्धा विहीन ज्ञान : लोकसेवा में प्राप्त ज्ञान को श्रद्धापूर्वक को व्यवहारिक जीवन में लागू कर सुशासन की स्थापना करना।

अतः सुशासन तथा लोक सेवा के लक्ष्य - पारदर्शिता, सर्वसमावेशी समाज, अधिकारों का समान बंटवारा, संसाधनों का समान वितरण तथा पारदर्शिता, जवाबदेही एवं उत्तरदायित्व को इन सात सामाजिक बुराईयों की कसौटी पर कसकर सुशासन व लोक सेवा में नैतिकता प्राप्त की जा सकती है।

5(Five)
(Q.Unit-II-C-12)

13. Analyse the roles of the District Collector vis-a-vis Superintendent of Police in maintaining the law and order in a district.
किसी जिले में कानून एवं व्यवस्था के संधारण हेतु जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक की भूमिकाओं का विश्लेषण कीजिए।

(I) जिला कलेक्टर की भूमिका तथा जिला पुलिस अधीक्षक का सहयोग
① शान्ति व्यवस्था बनाने में - पुलिस अधीक्षक की सहायता से जिला कलेक्टर जिले भर में कानून एवं व्यवस्था की पालना सुनिश्चित

करवाता है तथा उपद्रव, दंगे, राजनीतिक रैलियों, आंदोलनों के दौरान शान्ति बनाए रखने के प्रयास करता है।

② दण्डनायक के रूप में :- विदेशियों के पारपत्रों की जाँच, जिले में शस्त्रखानों की जाँच, थानों का निरीक्षण करके, शांति भंग के मामलों जमानत लेना, धारा-144 लागू करवाना।

इस दौरान जिला पुलिस अधीक्षक इन कार्यों में जिला कलेक्टर कलेक्टर का सहयोग करता है, तथा पुलिस कर्मियों के तबादले भी करता है।

③ आपदा की स्थिति में :- जिलाकलेक्टर सभी कार्मिकों को साहस प्रदान कर आपदा राहत कार्यों को पूरा करवाता है।

पुलिस अधीक्षक - पुलिस बल के माध्यम से कानून एवं व्यवस्था को बनाए रखने में सहयोग देता है।

④ जिलामजिस्ट्रेट के रूप में :- कानूनों को लागू करवाना, प्रशासन को सक्रिय रखना तथा कानून-व्यवस्था के मामलों की रिपोर्ट प्राप्त करना। जिला पुलिस अधीक्षक की सहायता से गंभीर अपराधों को होने से रोकना।

इस प्रकार जिले की कानून एवं व्यवस्था को दोनों अधिकारी मिलकर संभालते हैं, वहीं कमिश्नरेट प्रणाली में कानून एवं व्यवस्था की जिम्मेदारी - कमिश्नर के पास होती है। जो पुलिस को स्वतंत्रता पूर्वक कार्य करने अधिक अवसर तथा जिला कलेक्टर को विकासात्मक कार्यों हेतु अधिक समय उपलब्ध करवाती है।

5.5(Five½)
(Q.Unit-II-C-13)

(Unit – III) (Section – A) **(20 Marks)**

(यूनिट – III) (सेक्शन – A) **(20 अंक)**

Part – A **Marks : 10**

भाग – अ अंक : 10

Note: Attempt **all** questions. Answer the following questions in **15** words each. Each question carries **2** marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर **15 - 15** शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के **2** अंक निर्धारित हैं।

1. Name the award for excellence in sports in Rajasthan given annually and write the hierarchy of its selection committee.

राजस्थान में खेलों में उत्कृष्टता के लिए वार्षिक रूप में दिए जाने वाले पुरस्कार का नाम लिखते हुए इसकी चयन समिति का पदानुक्रम लिखिए।

पुरस्कार :- महाराणा प्रताप खेल रत्न पुरस्कार - 1982 से

चयन समिति - 6 सदस्यीय - ①राजस्थान राज्य क्रीड़ा बोर्ड - अध्यक्ष

② शासन उप सचिव - राजस्थान सरकार

③ सचिव - राज. राज्य क्रीड़ा बोर्ड ④ 2 खिलाड़ी - अर्जुन अवार्ड प्राप्त ⑤ वरिष्ठ खेल प्रशासक

2(Two)
(Q.Unit-III-A-1)

2. Write the types of yoga according to Yograj Upanishad.

योगराज उपनिषद के अनुसार योग के प्रकार लिखिए।

0 (Zero)
(Q.Unit-III-A-2)

3. Write the contribution of Sh. Magan Singh Rajvi in Rajasthan sports.

राजस्थान के खेलों में श्री मगनसिंह राजवी के योगदान को लिखिए।

– खेलों में उत्कृष्टता, व्यापकता तथा आधार बढ़ाने हेतु महत्त्वपूर्ण कार्य किया।

0 (Zero)

(Q.Unit-III-A-3)

4. Name any 4 sports academies governed by Rajasthan State Sports Council.

राजस्थान राज्य खेल परिषद द्वारा संचालित किन्हीं चार खेल अकादमियों के नाम लिखिए।

① पी एस पी बी - टेबिल टेनिस अकादमी - अजमेर
② राज्य हैण्डबॉल अकादमी – जयपुर
③ स्टेट आर्चरी अकादमी - डूंगरपुर
④ राज्य मुक्केबाजी अकादमी - जयपुर

0 (Zero)

(Q.Unit-III-A-4)

5. Name the paraplayers and their sports who were awarded Major Dhyanchand Khel Ratan Award in 2021.

मेजर ध्यानचंद खेल रतन पुरस्कार 2021 से सम्मानित पैरा–खिलाड़ियों के नाम उनके खेल सहित लिखिए।

① अवनि लेखरा – निशानेबाजी
② कृष्णा नागर - बैडमिंटन
③ सुमित अंतिल – भाला फेंक
④ प्रमोद भगत –
⑤ ~~संदीप~~ प्रदीप नरवाल –

1.5(One½)

(Q.Unit-III-A-5)

Part – B
भाग – ब

Marks : 10
अंक : 10

Note: Attempt **all** questions. Answer the following questions in **50** words each. Each question carries **5** marks.
नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर **50 - 50** शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के **5** अंक निर्धारित हैं।

6. What is the significance of scientific backup to sports person in National Sports Policy?
राष्ट्रीय खेल नीति में खिलाड़ियों के वैज्ञानिक पूर्तिकर का क्या महत्त्व है?

वैज्ञानिक पूर्तिकर का महत्व:-
① खेल के बारे में वैज्ञानिक समझ बढ़ाना, बारीकियाँ समझना
② खेल के दौरान चोटों से बचने के तरीके
③ चोट लगने पर तुरंत की जाने वाली कार्यवाही
④ उचित वार्म अप तथा कूलिंग डाउन विधियाँ
⑤ खिलाड़ियों की क्षमता बढ़ाने के तरीके सुझाना

0.5(Zero½)
(Q.Unit-III-B-6)

7. What is rehabilitation in sports? Define TENS therapy.
खेलों में पुनर्स्थापन क्या है? टी.ई.एन.एस. चिकित्सा को परिभाषित कीजिए।

पुनर्स्थापन से तात्पर्य - खेल के दौरान चोट लगने पर तुरंत देखभाल तथा शीघ्रता पूर्वक सही करके पहले जैसी स्थिति में लाना और खेल प्रारंभ करना आदि शामिल है।
टी॰ई॰एन॰एस॰ चिकित्सा में टी - ट्रीटमेंट - तुरंत उपचार की व्यवस्था। ई॰ एलीवेशन - चोटिल अंग को ऊपर उठाना।
एन॰
एस॰ साइकोलॉजिकल सपोर्ट:- मनोवैज्ञानिक सहारा, समझाना, हौसला बनाए रखना इत्यादि शामिल।

0.5(Zero½)
(Q.Unit-III-B-7)

(Unit – III) (Section – B) (20 Marks)

(यूनिट – III) (सेक्शन – B) (20 अंक)

Part – A Marks : 10

भाग – अ अंक : 10

Note: Attempt **all** questions. Answer the following questions in **15** words each. Each question carries **2** marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 15 - 15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं।

1. What is meant by Emotional Intelligence?
संवेगात्मक बुद्धि से क्या आशय है?

• पीटर सेलोवी व जॉन मेयर के अनुसार - स्वयं की तथा दूसरों की भावनाओं समझने, भावनाओं में विभेदन करने, प्रबंध करना तथा नियंत्रित करना सम्मिलित है। • डेनियल गोलमैन के अनुसार- आत्मजागरूकता, आत्मनियंत्रण, स्वप्रेरणा तथा सामाजिक दक्षता युक्त व्यवहार।

1(One)
(Q.Unit-III-A-1)

2. Which are the big five factors of personality?
व्यक्तित्व के बृहद् पाँच कारक कौन से हैं?

रॉबर्ट मैक्रे तथा पॉल कॉस्टा के अनुसार -

① खुलापन ② कर्तव्यनिष्ठा ③ सहमतिजन्यता

④ सांवेगिक स्थिरता? ⑤ बहिर्मुखतापेता

1.5(One½)
(Q.Unit-III-A-2)

3. Write about the three stages of memory.
स्मृति की तीन अवस्थाओं के बारे में लिखिए।

① अल्पकालिक स्मृति - समय - एक सेकण्ड - भण्डारण - अत्यधिक क्षमता

② मध्यम स्मृति - समय - 30 सेकण्ड - भण्डारण - मध्यम

③ दीर्घकालिक स्मृति - समय - दीर्घ अभ्यास - भण्डारण - आजीवन

0.5(Zero½)
(Q.Unit-III-A-3)

4. Mention the sources of stress.
तनाव के स्त्रोत बताइए।

① बाह्य स्रोत – सामाजिक व्यवहार, जीवन की घटनाएं, दुर्घटना

② आंतरिक स्रोत – दुश्चिंता, संवेगिक अस्थिरता, हीन भावना

0.5(Zero½)
(Q.Unit-III-A-4)

5. Define intelligence.
बुद्धि को परिभाषित करिये।

स्वयं को समझने तथा अपने आस-पास के वातावरण को समझकर, अनुकूल व्यवहार करने की क्षमता ही बुद्धि है।

1(One)
(Q.Unit-III-A-5)

Part – B
भाग – ब

Marks : 10
अंक : 10

Note: Attempt **all** questions. Answer the following questions in **50** words each. Each question carries **5** marks.
नोट : सभी प्रश्नों का उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर **50 - 50** शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के **5** अंक निर्धारित हैं।

6. Describe the major projective measures of personality.
व्यक्तित्व के प्रमुख प्रक्षेपीय मापों का वर्णन करिये।

① प्रारूप उपागम – 564 कथन प्रश्नावली

×

0 (Zero)
(Q.Unit-III-B-6)

7. Explain the strategies of stress management.
तनाव प्रबन्धन की युक्तियों को समझाइए।

तनाव प्रबंधन की युक्तियों में - ① विश्रांति - आराम करना, काम से अवकाश
② योग व प्राणायाम - इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करना
③ बायोफीडबैक - शारीरिक गतिविधियों को नियंत्रित करना।
④ सर्जनात्मक मानस प्रतिबिंबीकरण - जीवन के लक्ष्यों के प्रति सकारात्मक सोच रखना
⑤ सामाजिक अवलंबन :- सकारात्मक तथा साथ देने वाले मित्रों का सान्निध्य
⑥ भावनात्मक बुद्धिमत्ता का प्रयोग कर तनाव को नियंत्रित करना।

3.5(Three½)
(Q.Unit-III-B-7)

(Unit – III) (Section – C) (20 Marks)
(यूनिट – III) (सेक्शन – C) (20 अंक)

Part – A Marks : 10
भाग – अ अंक : 10

Note: Attempt **all** questions. Answer the following questions in **15** words each. Each question carries **2** marks.
नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर **15 - 15** शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के **2** अंक निर्धारित हैं।

1. What is the difference between 'perfect' and 'imperfect' right?
'पूर्ण' एवं 'अपूर्ण' अधिकार के मध्य क्या अंतर है?

① पूर्ण अधिकार - किसी वस्तु पर संपूर्ण अधिकार होना।
यथा: निजी संपत्ति, कार, घर इत्यादि।
② अपूर्ण अधिकार - किसी वस्तु पर आंशिक अधिकार होना।
यथा: किरायेदार, यात्रा के दौरान सार्वजनिक परिवहन में।

0.5(Zero½)
(Q.Unit-III-A-1)

2. Define the expression 'right to information' as used in the Right to Information Act, 2005.
सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 में प्रयुक्त अभिव्यक्ति 'सूचना का अधिकार' को परिभाषित कीजिए।

सूचना का अधिकार से तात्पर्य - भारत के प्रत्येक नागरिक को लोक-अधिकारियों से सूचना (ई-मेल, दस्तावेज, पत्र, कानून,)

प्राप्त करने का अधिकार होगा।

3. Write down the meaning of 'Sexual harassment' mentioned under the Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013.
महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 के अंतर्गत उल्लिखित "लैंगिक उत्पीड़न" का अर्थ लिखिए।

लैंगिक उत्पीड़न से तात्पर्य - ① यौन अनुग्रह की मांग पर अनुग्रह वादा ② पूरा न करने पर धमकी ③ यौन टिप्पणी, इशारे या अन्य अभिव्यक्ति ④ प्रतिकूल वातावरण बनाना ⑤ आर्थिक हानि की धमकी।

4. Define the term 'relative' as per the Maintenance and Welfare of Parents and Senior Citizens Act, 2007.
माता–पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण–पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 के अनुसार 'नातेदार' पद को परिभाषित कीजिए।

नातेदार पद से तात्पर्य किसी निःसंतान वरिष्ठ नागरिक के कानूनी उत्तराधिकारी या वारिस से है, जो उनकी संपत्ति पर काबिज है या उनकी मृत्यु के बाद संपत्ति का अधिकारी होगा।

5. Define the term 'Nazul Land'.
'नजूल भूमि' पद की परिभाषा दीजिए।

राज. भू राजस्व अधिनियम - 1956 के अनुसार - किसी नगरपालिका, ग्राम पंचायत की आबादी भूमि, जो राज्य सरकार में निहित है के अतिरिक्त भूमि नजूल भूमि कहलाएगी।

0.75(Zero¾)
(Q.Unit-III-A-2)

0.75(Zero¾)
(Q.Unit-III-A-3)

1.25(One¼)
(Q.Unit-III-A-4)

1(One)
(Q.Unit-III-A-5)

Marks : 10
अंक : 10

Part – B
भाग – ब

Note: Attempt **all** questions. Answer the following questions in 50 words each. Each question carries 5 marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 50 - 50 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक निर्धारित हैं।

6. State the contents of "Record of Rights" under the Rajasthan Land Revenue Act, 1956.
राजस्थान भू–राजस्व अधिनियम, 1956 में "अधिकार अभिलेख" की अन्तर्वस्तु बताइए।

अधिकार अभिलेख के अन्तर्गत -
① खेवट :- भूमि की प्रकार, माप, आकृति इत्यादि का वर्णन किया जाता है, फसलों के प्रकार भी सम्मिलित
② खतौनी :- इस रजिस्टर में भूमिधारियों के नाम और उनके मालिकाना हक का सरकारी रिकॉर्ड रहता है।

2(Two)
(Q.Unit-III-B-6)

7. Explain the term 'Sexual assault' as mentioned in the Protection of Children from Sexual Offences Act, 2012.
लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 में उल्लिखित 'लैंगिक हमला' पद का वर्णन कीजिए।

लैंगिक हमला पद से तात्पर्य किसी 18 वर्ष से कम आयु के बालक पर यौन प्रकृति का कोई कृत्य करना अथवा यौन गतिविधि हेतु प्रेरित करना, धमकाना, यौन चित्र बनाना, दिखाना, यौन इच्छा से प्रेरित होकर छूने का प्रयास करना इत्यादि सम्मिलित है। इसमें - प्रवेशन लैंगिक हमला (धारा-3), गुरुतर प्रवेशन लैंगिक हमला (5) लैंगिक उत्पीड़न (7), गुरुतर लैंगिक उत्पीड़न (9), यौन उत्पीड़न (11) चक्र पोर्नोग्राफी (15), भण्डारण करना (16) इत्यादि सम्मिलित।

2.5(Two½)
(Q.Unit-III-B-7)